नवभारत
भोपाल, शनिवार 25 जुलाई 2026

बेगमगंज शहर में बने सिर्फ दो उपार्जन केंद्र

45 किमी दूर से मूंग बेचने ला रहे, किसान हो रहे परेशान

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 24 जुलाई. किसानों की मूंग खरीदी के लिए बेगमगंज में नगर में मात्र दो उपार्जन केंद्र सुमेर सोसायटी का किसान मित्र वेयरहाउस एवं सुनेहरा सोसायटी का भार्गव वेयरहाउस बनाए गए हैं, जबकि सुल्तानगंज एवं सुनवाहा क्षेत्र में एक भी उपार्जन केंद्र नहीं बनाया गया जिससे सुल्तानगंज की दूरी 25 किमी एवं सुनवाहा 45 किमी होने से इस क्षेत्र के लघु एवं सीमांत किसानों को इतनी लंबी दूरी तय करके अपनी मूंग बेचने आना पड़ रहा है जिससे उन्हें वर्षा ऋतु में परिवहन के दौरान लंबी दूरी तय करके आने में मूंग भीगने की समस्या एवं वाहन का ज्यादा किराया चुकाने में ज्यादा परेशानी उठाना पड़ रही है

किसान नेता भरत पटेल करहोला, सौरभ शर्मा महुआखेड़ा कला, कंछेदीलाल शर्मा सुल्तानगंज, नत्थू सिंह खामखेड़ा सुल्तानगंज ने आरोप लगाया कि जब मूंग खरीदी के लिए उपार्जन केंद्र बनाने की प्रक्रिया चल रही थी, तभी तहसील के बड़ी संख्या में किसानों ने एक खरीदी केंद्र सुल्तानगंज में बनाए जाने की मांग की थी, क्योंकि इस क्षेत्र में 750 हेक्टेयर में मूंग की बुआई की गई थी, लेकिन उनकी मांग नहीं मानी गई, जिसका खामियाजा आज यहीं के किसानों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ रहा है. शासकीय खरीदी के नाम पर आज किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं लगता है. जानबूझकर इतनी दूर मात्र दो उपार्जन केंद्र बनाकर पैदावार के हिसाब से कम खरीदी की योजना है किसानों को अपनी मूंग बेचने के लिए परिवहन में वाहन खर्च अधिक लग रहा है और दो दिन की परेशानी से किसानों में गुस्सा है. अधिकांश किसानों ने 5 एकड़ तक में मूंग की बुआई की थी, जिसमें लागत ज्यादा लगी और पैदावार कम हुई, फिर इतने दूर बने उपार्जन केंद्रों पर आने के लिए उनके 2 से 3 हजार रुपए तक किराए के वाहन में लग रहे हैं. किसान दूरी ओर परिवहन खर्च अधिक आने के कारण कम दाम पर ही खुले बाजार में व्यापारियों को बेंचने के लिए मजबूर हैं. इस अव्यवस्था से सरकार की किसानों से अच्छे दाम पर मूंग खरीदने की घोषणा धरी की धरी रह गई

> किसान नेताओं का आरोप है कि जब सुल्तानगंज, सुनवाहा में सोसायटी ओर वेयरहाउस स्थापित है तो 45 किमी दूर खरीदी केंद्र बनाने का क्या औचित्य है. कम से कम एक खरीदी केंद्र वहां बनाना चाहिए था. बेगमगंज की दूरी सुल्तानगंज 25 एवं सुनवाहा 45 किमी बहुत ज्यादा होने से अभी तक सैकड़ों पंजीकृत लघु एवं सीमांत किसान अपनी मूंग उपार्जन केंद्रों पर नहीं ला सके हैं क्या जानबूझकर किसानों से कम खरीदी की प्लानिंग है? किसानों की मांग है कि सुल्तानगंज एवं सुनवाहा क्षेत्र के किसानों की समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के लिए प्रशासन सुल्तानगंज एवं सुनवाहा सोसायटियों में आज से ही खरीदी की व्यवस्था करे, ताकि परिवहन में होने वाले बड़े खर्चे एवं वर्षा में आवागमन की परेशानी से किसानों को राहत मिल सके.

सेमरी नदी में बहा युवक तीसरे दिन भी नहीं मिला

एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी है

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 24 जुलाई. सेमरी नदी के नैनविलास - रेटवास पहुंच मार्ग के रपटे से बुधवार की रात बाइक सहित बहे युवक की तलाश में जुटी एसडीआरएफ टीम को दो दिन बाद भी सफलता नहीं मिली. शुक्रवार को भी लगातार भी रेस्क्यू जारी रहा.

बारिश, नदी के तेज बहाव और 7-8 चेक डेम के कारण एसडीआरएफ टीम को गुरुवार को युवक की तलाश में परेशानी हो रही थी, लेकिन शुक्रवार को मौसम ने साथ दिया. वर्षा थमने और धूप खिली होने के कारण

रेस्क्यू टीम को आसानी हो गई है. तीन दिन बाद भी लापता राजीव का पता नहीं चलने से चिंता बढ़ गई है. वह नैनविलास अपने पैतृक गांव जा रहा 21 वर्षीय राजीव बैरागी पिता गिरजाशंकर बैरागी बुधवार की रात बाइक सहित नदी के तेज बहाव में बह गया था. बाइक तो कुछ दूरी पर पुल के नीचे मिल गई थी.

एसडीआरएफ के जिला प्रभारी मयंक सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह से शाम तक रेस्क्यू चला, लेकिन राजीव नहीं मिला. अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा था, शुक्रवार को सुबह से फिर एसडीआरएफ टीम, होमगार्ड्स, थाना प्रभारी राजीव उइके, पुलिसकर्मियों ने तहसीलदार प्रमोद उइके की अगुवाई में फिर से रेस्क्यू शुरू किया है. दो दिन में सेमरी नदी के दोनों किनारों, हफसीलि घाट पुल एवं कोलुआ घाट पुल के नीचे, आसपास और ग्राम सुमेर के सेमरी-दुधाई नदी जोड़ से सेमरी, दुधाई, बीना नदी के त्रिवेणी संगम तक सर्चिंग की गई. अभी रेस्क्यू अभियान जारी है.

बौद्धिक संपदा अधिकार और शोध पद्धति पर होगी चर्चा

मैनिट में पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जुलाई. मैनिट में ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और शोध पद्धति विषय पर 5 दिवसीय हाइब्रिड कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया. बता दें, मप्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के आर्थिक सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला 28 जुलाई तक संचालित की जाएगी, जिसमें प्रतिभागी प्रत्यक्ष और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से हिस्सा ले रहे हैं.

यह कार्यशाला मैनिट के निदेशक डॉ. के. के. शुक्ला के मार्गदर्शन डॉ. अरविंद मित्तल के सहयोग से किया जा रहा है. कार्यशाला के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पेटेंट अटॉर्नी अपर्णा पंढारकर और विशिष्ट अतिथि के रूप में एमपीसीएसटी के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. विकास शेंडे उपस्थित रहे. इस बार विभिन्न संस्थानों से 600 से अधिक शोधार्थियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है, जिसमें कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे. इन सत्रों को देश भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और शोध संस्थानों के विशेषज्ञ संबोधित करेंगे. कार्यशाला में मुख्य रूप से शोध पद्धति, शैक्षणिक लेखन एवं प्रकाशन नैतिकता और पेटेंट, कॉपीराइट एवं ट्रेडमार्क के व्यावहारिक पहलू पर विस्तार से चर्चा होगी.

आयोजकों के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों को न केवल सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण शोध करना सिखाना है, बल्कि उन्हें अपने शोध परिणामों को बौद्धिक संपदा के रूप में सुरक्षित और संरक्षित रखने में भी सक्षम बनाना है.

रायसेन की टीम अंडर-17 लीग के क्वार्टर फाइनल में

पहली बार मध्य प्रदेश की कोई टीम इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जुलाई. अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अंडर-17 गर्ल्स यूथ लीग में मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ से संबद्ध जिला फुटबॉल संघ (डीएफए) रायसेन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है.

टीम ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में चल रही प्रतियोगिता के लीग चरण में तीसरे मुकाबले में रूट्स एफसी बेंगलुरु को 4-0 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया. टीम प्रबंधन के मुताबिक, यह पहली बार है जब मध्य प्रदेश की कोई टीम इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल तक पहुंची है. टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया. मंजू (जर्सी नंबर-7) ने 2 गोल किए, किरण (जर्सी नंबर-21) ने दो गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी. पूरे मैच में रायसेन की खिलाड़ियों ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखा. इससे पहले रायसेन का पहला मुकाबला जिंक एफसी राजस्थान से हुआ था, जिसमें टीम को 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. दूसरे मैच में डीएसएल और आरकेएम एस्पायर मुंबई के खिलाफ मुकाबला 4-4 की बराबरी पर समाप्त हुआ. एक हार और एक ड्रॉ के बाद तीसरे मैच की जीत ने टीम को क्वार्टर फाइनल का टिकट दिलाया. यह प्रतियोगिता 16 से 29 जुलाई तक नारायणपुर में खेली जा रही है. टीम के मुख्य कोच परम असावर, सुशीला सहायक कोच, खुशी गेहलोत टीम मैनेजर और अपूर्वा सोनी फिजियो की जिम्मेदारी संभाल रही हैं.

ट्यूमर मॉडल से महिलाएं कर सकेंगी ब्रेस्ट कैंसर की पहचान

एम्स में 28 जुलाई को होगा विशेष जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जुलाई. स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए समय रहते इसकी पहचान और बचाव के उद्देश्य से एम्स में आगामी 28 जुलाई को एक विशेष जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, आम नागरिकों, विद्यार्थियों और स्वास्थ्यकर्मियों को स्तन कैंसर के शुरुआती लक्षणों और नियमित जांच के महत्व के प्रति जागरूक करना है.

आयोजन में महिलाओं को स्तन ट्यूमर मॉडल के माध्यम से स्वयं स्तन जांच करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे महिलाएं आसानी से समझ सकेंगी कि किसी भी असामान्य बदलाव या गांठ की पहचान कैसे की जाए. इसके साथ ही स्तन स्वास्थ्य की नियमित निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक पर आधारित डियरयू मोबाइल ऐप के प्रयोग और फायदों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी. बता दें आयोजन एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानन्द कर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है. कार्यक्रम का समन्वय चिकित्सा ऑन्कोलॉजी और हीमेटोलॉजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. आकांक्षा चौधरी कर रही हैं. इस अभियान में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, केप सेंटर और स्विट्जरलैंड की द डियर फाउंडेशन संस्था सहभागी के रूप में शामिल हैं साथ ही समारोह में स्विट्जरलैंड की प्रसिद्ध समाजसेवी सोन्या डिनर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने विशेषज्ञ डॉ. अजय भटनागर विशेष रूप से शामिल होकर अपने वैश्विक अनुभव साझा करेंगे

सेवा सदन के चिकित्सकों और ट्रस्टियों का किया सम्मान

रोटरी क्लब पदाधिकारियों ने अस्पताल परिसर में रोपे पौधे

नवभारत न्यूज

भोपाल, 24 जुलाई. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय परिसर में शुक्रवार रोटरी क्लब शाहपुरा द्वारा सम्मान समारोह एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया.

इस अवसर पर रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, डॉ. समता पटेल, डॉ. रश्मि आप्टे, डॉ. सपना श्रीवास्तव, डॉ. शुभा राय एवं डॉ. कविता गुप्ता सहित ट्रस्टी हीरो ज्ञानचंदानी, सुरेश आवतरामानी, डायरेक्टर कुशल धर्मानी एवं हॉस्पिटल प्रशासक अनुशा तिवारी का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया. कार्यक्रम के दौरान सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी की प्रेरणा से संचालित सेवा कार्यों एवं संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी. ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी ने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न नेत्र चिकित्सा सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी. रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संस्कार कोठारी ने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं एवं सेवाओं की सराहना की. उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में रोटरी क्लब द्वारा सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को ग्लूकोमा जांच का उपकरण भेंट किया गया था.

पटवारी 3 अगस्त से करेंगे कलमबंद हड़ताल

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कर रहे हैं चरणबद्ध आंदोलन

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 24 जुलाई. अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन जारी रखते हुए काली पट्टी बांधकर काम कर रहे पटवारियों ने अभी तक उनकी न्योचित मांगे स्वीकार नहीं होने के बाद अब 3 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल करने का ऐलान किया है.

उन्होने कहा कि जब तक उनकी 5 सूत्रीय मांगे स्वीकार नहीं होंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. कोई भी पटवारी किसी भी प्रकार का कार्य नहीं करेंगे पटवारी संघ के अध्यक्ष मनीष चौरसिया ने बताया कि मप्र पटवारी संघ के आव्हान पर 5 सूत्रीय मांगों को लेकर बेगमगंज एवं सुल्तानगंज तहसील के सभी 32 पटवारी हड़ताल पर हैं. उनका कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा अधिवेशन बुलाकर पटवारियों की उचित मांगो को पूरा किए जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद भी अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया.

> उन्होंने कहा कि पदोन्नति, समयमान वेतनमान का लाभ, कैडर रिव्यू लागू करना, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा, जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करना, सरकारी विभिन्न योजनाओं का लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान, नियम विरुद्ध किए गए संघ के पदाधिकारियों के तबादले तत्काल निरस्त करने की मांगें स्वीकृत नहीं होती है, तब तक आंदोलन जारी रहेगा.

'युवा संसद' में युवाओं ने समस्याएं रखीं, मंत्रियों ने दिए जवाब

ब्रह्माकुमारीज़ मूल्य उपवन अचारपुरा के दो अभियानों का तीन चरण में शुभारंभ

नवभारत न्यूज

भोपाल, 24 जुलाई. युवाओं द्वारा वृद्धों की उपेक्षा का देखा हुआ हाल साझा करते हुए मानव अधिकार आयोग मध्य प्रदेश के अध्यक्ष, अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि इस तरह की युवा संसद एक सार्थक संवाद द्वारा कारगर उपाय तलाशने का अनुकरणीय माध्यम बन सकती है.

उन्होंने यह विचार ब्रह्माकुमारीज मूल्य उपवन अचारपुरा भोपाल द्वारा 'आज के युवा की समस्याएं व समाधान विषय पर आयोजित आध्यात्मिक युवा संसद में मुख्य अतिथि व जज के रूप में व्यक्त किये. उन्होंने युवा संसद के प्रतिभागियों को संसद संचालन की सही कार्य विधि का मार्गदर्शन भी दिया. युवा संसद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विजेताओं को पदक भी वितरित किए गए. डॉ. विद्या राकेश, निदेशक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने विजेताओं को विशिष्ट अतिथि और जज के रूप में युवा संसद के विजेता प्रतिभागियों की घोषणा की. युवा संसद में युवाओं ने 20 मंत्रालयों जैसे खेल एवं युवा मंत्रालय महिला एवं बाल विकास सामान्य प्रशासन एवं लोक शिकायत आदि के सामने अपनी अपनी समस्याएं रखी, संबंधित मंत्रियों ने उत्तर दिए.

माय युवा भारत की प्रतिनिधि संजना पाल ने युवा संसद में प्रथम स्थान, जवाहरलाल नेहरू पब्लिक स्कूल कोलार के ग्यारहवीं के छात्र रौनक अरक ने द्वितीय स्थान और भोपाल अकादमी हायर सेकेंडरी स्कूल की 12 वीं की छात्रा चहल तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. युवा संसद में भोपाल अकादमी हायर सेकेंडरी स्कूल, जवाहरलाल नेहरू पब्लिक स्कूल कोलार, मेरा युवा भारत के प्रतिनिधि, मिम्स कॉलेज नयापुरा, कैन्यन स्कूल के छात्रों ने भाग लिया ग्वालियर से पधारे युवा प्रभाग के सदस्य बी. के. प्रहलाद ने संसद सत्र का मंच संचालन किया. शिक्षा प्रभाग की रीजनल कोऑर्डिनेटर एवं मूल्य उपवन की निदेशक बीके किरण ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया.

धर्म हाइवे पर थमती हैं गाड़ियां, आशीर्वाद लेकर आगे बढ़ते हैं वाहन चालक

सौ वर्षों से आस्था का केंद्र सलामतपुर का द्वारकाधीश मंदिर

अदनान खान

सलामतपुर, 24 जुलाई. भोपाल-विदिशा मुख्य मार्ग पर स्थित सलामतपुर कस्बे का द्वारकाधीश मंदिर पिछले 100 सालों से श्रद्धालुओं और स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है.

एक सदी पुराना यह मंदिर न केवल आसपास के ग्रामीण अंचल के लिए पूजनीय स्थल है, बल्कि इस व्यस्त हाइवे से गुजरने वाले हर राहगीर के लिए विश्राम, शांति और भक्ति का एक अनिवार्य धाम बन चुका है. यहां से गुजरने वाला चाहे कोई भी वाहन हो निजी कार, बस, दोपहिया

वाहन या मालवाहक ट्रक मंदिर के सामने पहुंचते ही उसकी रफ्तार धीमी हो जाती है वाहन चालक और यात्री भक्तिभाव से मंदिर के सामने शीश नवाते हैं और भगवान का आशीर्वाद लेकर ही अपनी आगे की यात्रा पर बढ़ते हैं

इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां का आध्यात्मिक वातावरण है. मंदिर प्रांगण में भगवान राधा-कृष्ण जी की मनमोहक प्रतिमाओं के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं का भी दिव्य वास है. राधा-कृष्ण मंदिर के मुख्य आराध्य, जिनके दर्शन मात्र से मन को असीम शांति मिलती है. मंदिर में देवों के देव महादेव भगवान शिव का संपूर्ण पूरे परिवार (माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी) के साथ विराजमान हैंऔर श्रद्धालुओं के कष्टों को हरने वाले श्री हनुमान जी की प्रतिमा के साथ ही विद्या की देवी मां सरस्वती जी का पावन स्थान और रिद्धि-सिद्धि के दाता गणेश जी की उपस्थिति एक ही स्थान पर इन सभी देवी-देवताओं के दर्शन होने से यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को सर्व-देवों की कृपा प्राप्त होती है

भोपाल और विदिशा को जोड़ने वाले इस मार्ग पर दिन-रात गाड़ियों की आवाजाही बनी रहती है चालकों का अटूट विश्वास है कि सफर की शुरुआत या रास्ते के दौरान 100 साल पुराने इस सिद्ध पीठ पर माथा टेक लेने से पूरी यात्रा निर्विघ्न और सुरक्षित संपन्न होती है. स्थानीय मान्यता के अनुसार जब भी श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरते हैं, तो मंदिर को देखते ही अपने आप हाथ जुड़ जाते हैं 100 वर्षों की इस पावन धरा में ऐसा आभामंडल है कि यहां माथा टेकने के बाद यात्रा का हर डर खत्म हो जाता है. मंदिर में प्रतिदिन सुबह और शाम को होने वाली आरती में केवल स्थानीय ग्रामीण ही नहीं, बल्कि हाइवे से गुजर रहे यात्री भी अपनी गाड़ियाँ रोककर शामिल होते हैं. जन्माष्टमी, शिवरात्रि, हनुमान जयंती, बसंत पंचमी और गणेशोत्सव जैसे प्रमुख त्योहारों पर यहाँ भव्य धार्मिक आयोजन, कथाएँ और विशाल भंडारों का आयोजन किया जाता है

यात्री प्रतीक्षालय बना शराबियों का अड्डा

नवभारत न्यूज

बम्होरी, 24 जुलाई ग्राम पंचायत साईखेड़ा में सोजनीधाम मार्ग पर बने यात्री प्रतीक्षालय में दिन-रात शराब पीने वालों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल पा रही है ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है

ग्रामीणों का कहना है कि प्रतीक्षालय के पास ही शराब दुकान होने के कारण यहां अक्सर लोग शराब पीने के लिए एकत्र हो जाते हैं इससे सोजनी धाम जाने वाले श्रद्धालुओं, बस का इंतजार करने वाले यात्रियों तथा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी मार्ग से स्कूल जाने वाली छात्राएं और महिलाएं भी बड़ी संख्या में गुजरती हैं शराबियों के जमावड़े से उन्हें असहजता महसूस होती है और सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो कभी भी अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती है. ग्रामीणों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि प्रतीक्षालय में शराब पीने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा नियमित निगरानी की व्यवस्था की जाए, ताकि यात्रियों को सुविधा और सुरक्षा मिल सके.